NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE

सरसो के प्रमुख कीट एंव एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीके

रवि भूषण[1], विमल कनौजिया[1], आयुष कुमार, डा. मुकेश कुमार मिश्र

परिचय:

तिलहन की फसलों सरसो का भारतवर्ष मे विशेष स्थान है यह रबी ऋतु की फसल है और बडे पैमाने पर इसकी खेती की जाती है सरसो की फसल किसानो को बहुत लोकप्रिय फसल है क्योकि इसमे कम सिंचाई एवं कम लागत मे दूसरी फसलों के अपेक्षा में अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है।

सरसो मे बहुपयोगी खाद्य तेल प्राप्त होता है इसके दानो से 30–40 प्रतिशत तेल प्राप्त होता है जो स्वास्थ की दृष्टि से बहुत उपयोगी है।

सरसो मे कई प्रकार के कीट आक्रमण करते है लेकिन 4–5 कीट ही अधिक नुकसान करते है और कीटों का प्रभाव सीधे फसल की उत्पादन पर पडता है इसलिए इनकी पहिचान एंव नियत्रण पाना आवश्यक ळें

सरसो के प्रमुख कीट

1. **माहू या चेंपा**–सरसो की फसल का यह मुख्य कीट है जो हल्के हरे–पीले रंग का होता है। जिसकी लम्बाई 1.5–3 मि0 मी0 होता है। इस कीट के प्रौढ एंव शिशु पत्तियो के निचली सतह और फूलो की टहनियो पर समूह मे पाये जाते है जो तनो, पत्तियो, फूलो एंव नई फलियो से रस चूसकर उसे कमजोर एंव क्षतिग्रस्त करते है और मधुस्त्राव भी करते है इस मधुस्त्राव पर काले कवक का प्रकोप हो जाता है तथा प्रकाश संश्लेषण की क्रिया बाधित हो जाती है जिसके कारण पौधे अपना भोजन नही बना पाते और वह मर जाते है। इनका प्रकोप दिसम्बर से मार्च तक रहता है!

2. **आरा मक्खी**–इस कीडे का धड नांरगी सिर व पैर काले तथा पंखो का रंग धुए जैसा होता है सुण्डियो का रंग गहरा हरा होता है जिनके ऊपर काले धब्बे की तीन कतारे होती है।

रवि भूषण[1], विमल कनौजिया[1], आयुष कुमार, डा. मुकेश कुमार मिश्र
कीट विज्ञान विभाग
बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय बाँदा–210001 (उत्तर प्रदेश)

सुण्डियां पौधों की पत्तियों को काट–काट कर खा जाती है जिससे फसल सूख जाती है इस कीडे का प्रकोप अक्टूबर से नवम्बर मे होता है।

3. **सरसो मे बालो वाली सुण्डी (कावरा)–** इस कीट की केवल सूण्डिया की हानि कारक होती है। सूण्डियो के पूरे शरीर मे काले बालदार रोये पाए जाते है इस सूण्डी का प्रकोप अक्टूबर से दिसम्बर तक तोरिया की फसल मे अधिक होता है। यह समूह मे रहकर पत्तियो को खाकर छलनी कर देती है बाद मे पूरे खेत मे फैलकर फसल को नुकसान पहुचाती है। जिससे पैदावार मे भारी कमी होती है।

4. **सरसो मे चितकबरा कीट–** यह कीट भी फसल को बहुत नुकसान पहुचाता है जो काले रंग का होता है जिस पर लाल पीले नांरगी के धब्बे पाये जाते है इस कीडे के शिशु वा प्रौढ दोनो नुकसान पहुँचाते है

यह कीटे फसल की प्रारम्भिक अवस्था मे पत्तियो से रस चूसकर तथा फसल की कटाई के समय फलियो के दानो का रस चूसकर फसल को नष्ट करते है। जिससे पैदावार कम होती है।

5. **सरसो का सुरंग बनाने वाला कीट–** यह कीट भूरे रंग का होता है इसका आकार 1.5–2.0 मि0मी0 होता है इसकी सूडियाँ पीले रंग की होती है यह पौधो मे टेढी–मेढी सुरंग बनाती है और पत्तियो को भी खा जाती है जिससे पौधो मे भोजन बनाने की प्रकिया बधित होती है और जिससे फसल की पैदावार कम हो जाती है।

सरसो के प्रमुख कीट का एकीकृत कीट प्रबंधन

- समय पर बुआई करनी चाहिए 10–20 अक्टूबर तक जिससे माहू का प्रकोप कम हो।
- आरा मक्खी की रोक थाम के लिए सरसो की बुवाई 20 अक्टूबर से पहले करनी चाहिए
- प्रतिरोधी किस्मे की बुआई सही समय करनी चाहिए।
- फसल मे उर्वरक की संतुलित मात्रा हि प्रयोग करनी चाहिए।

- फसल मे होने वाले बीज जनित रोगो की रोकथाम के लिए बीज बोने से पूर्व बीज को ट्राइकोडरमा बिरडी के 4 ग्राम पाउडर प्रति कि0ग्रा0 बीज दर से शोधित करना चाहिए।
- ग्रीष्म ऋतु मे खेत की जुताई करने से अपरिपक्व अवस्था (अण्डे, सूण्डी,कोषस्थ कीट) नष्ट हो जाते है।
- ग्रसित पौधो या टहनियो पत्तो को तोडकर नष्ट कर देना चाहिए।
- मांहू नियत्रण के लिए परभक्षी कीट लेडी बर्ड बीटल, कारसोपरा, मकडी, इत्यादि कीटो का सांणत्र करना चाहिए।
- नीम की खली व नीम के तेल का प्रयोग करना चाहिए।
- आरा मक्खी प्रबधंन के लिए अंकुरण की अवास्था मे ही सिचाई कर देनी चाहिए क्योकि अधिकांश लार्वा पानी मे डूबने के कारण मर जाते है।
- सुबह और शाम के समय आरा मख्खी के लार्वा को एकत्रित कर नष्ट कर देना चाहिए।
- बालों वाली सूण्डी का आश्रय देने वाले वैकल्पिक खरपतवारो को खेत से हटा देना व नष्ट करना चाहिए।

NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE